Comparative politics

* ईस्टन के आगत - निर्गत विश्लेषण से पता चलता है कि राजनीतिक व्यवस्था का परिचालन पर्यावरण की शक्तियों से होता है जो उसके प्रति मांगों और सत्तारूढ़ व्यक्तियों के निर्णयों के सूरत में प्रकट होती है।
* ईस्टन के आगत - निर्गत विश्लेषण को उस क्षेत्र में प्रयोग कहा जा सकता है जिसे 'राजनीतिक व्यवस्था का प्रवाह प्रतिमान' कहा गया है।
* आमण्ड के आगत - निर्गत विश्लेषण की सबसे प्रमुख विशेषता यह है कि उसने विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के कार्यों की ओर निर्देश करके निर्गत पहलू की अवहेलना कर दी है जिन्हे सरकार के तीनो अंगों के कार्यों को तुलनात्मक राजनीति के नए शब्द भण्डार में क्रमशः नियम-निर्माण (rule making) नियम प्रवर्तन (rule-application) और नियम-न्यायनिर्णय विभाग कहा गया है।

आगत चर (Input Variables) आमण्ड चार आगत चरों का उल्लेख करते हैं।

क - राजनीतिक सामाजीकरण और भर्ती (political socialization and recruitment)

ख - हित अभिव्यक्ति (Interest articulation)

ग - हित समूहन - Interest aggregation)

घ - राजनीतिक संचार -(political communication)

* राजनीतिक सामाजीकरण राजनीतिक संस्कृति में दाखिल होने की प्रक्रिया है? और इसके परिणामस्वरूप किसी व्यवस्था के सदस्यों के बीच अपनी राजनीतिक व्यवस्था के प्रति अभिवृतियों और विश्वासों का विकास होता है।
* हित अभिव्यक्ति का चर उन संगठित

Scanned By Scanner Go

समूहों की विद्यमानता और भूमिका की ओर संकेत करता है जो अपने विशिष्ट हितों की प्रतिरक्षा और प्रवर्द्धन के लिये अपनी भूमिका का निर्वाह करते हैं।

- हित समूहन का चर उन राजनीतिक दलों की विद्यमानता और भूमिका की ओर निर्देश करता है जो कई हितों को एकत्रित करते हैं और ऐसे कार्मिकों की भर्ती की व्यवस्था करते हैं जो समाज के विशेष प्रतिमान के प्रति प्रतिबद्ध हैं।
- राजनीतिक सम्प्रेषण अथवा संचार से अभिप्राय उस माध्यम से है जिसके जरिये राजनीतिक व्यवस्था में अन्य कार्य किये जाते हैं। किसी राजनीतिक व्यवस्था में उसके स्वरूप का निर्धारण करने के लिए संचार सुविधाओं का अत्याधिक महत्व होता है क्योंकि वे समाज और उसकी राजनीतिक व्यवस्था के बारे में सूचना के प्रवाह का निर्धारण करते हैं।

Pol-sc (Hons)
Part-II
Paper-II

Rama Kant Pandey
A.P. (Guest)
S.R.A.P College
Bara chakiya
B.R.A.B.U. (Mu2)

Scanned By Scanner Go